[This question paper contains 3 printed pages.]

7730 आपका अनुक्रमांक _____

M.A. (एम. ए.)/IV Sem. A

HIND (हिन्दी) – Paper 4014(i) : विशिष्ट नाटककार : (जयशंकर प्रसाद)

Group – A : रंगमंच

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 70

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट :- प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. रंगमंच और रंगभाषा की दृष्टि से निम्नलिखित संवादों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए :

(क) भूमा का सुख और उसकी महत्ता का जिसको आभासमात्र हो जाता है, उसको ये नश्वर चमकीले प्रदर्शन नहीं अभिभूत कर सकते, दूत ! वह किसी बलवान की इच्छा का क्रीड़ा-कन्दुक नहीं बन सकता।

अथवा

अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन है। अपने को नियामक और कर्त्ता समझने की बलवती स्पृहा उससे बेगार कराती है।

(10)

P.T.O.

(ख) आह, जीवन की क्षणभंगुरता देखकर भी कितनी गहरी नींव देना चाहता है। आकाश के नीले पत्र पर उज्ज्वल अक्षरों से लिखे अदृष्ट के लेख जब धीरे-धीरे लुप्त होने लगते हैं, तभी तो मनुष्य प्रभात समझने लगता है और जीवन संग्राम में प्रवृत्त होकर अनेक अकाण्ड-ताण्डव करता है।

अथवा

मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु-सम्पत्ति समझकर उन पर अत्याचार करने का अभ्यास बना लिया है, वह मेरे साथ नहीं चल सकता। यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौरव नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते हो। (10)

2. प्रसाद के नाटकों को सम्पादित करके सफल रंगमंचीय रूप दिया जा सकता है, उदाहरण सहित समझाइए।

अथवा

'चन्द्रगुप्त' की रंगपरिकल्पना को स्पष्ट कीजिए। (12)

3. "प्रसाद की रंग भाषा नाटकीयता से पूर्ण है" – 'स्कन्दगुप्त' नाटक के आधार पर इस कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

यथार्थवादी रंगमंच की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' की समीक्षा कीजिए।

(12)

4. 'अजातशत्रु' की रंगचेतना सांस्कृतिक संदर्भों में उभरी है, उदाहरण सहित समझाइए ।

अथवा

'प्रतीकात्मकता 'कामना' के रंगानुभव में बाधक नहीं है' – विचार कीजिए । (12)

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(क) 'स्कन्दगुप्त' के रंगसंकेत

(ख) 'अजातशत्रु' का दृश्यबंध

(ग) 'कामना' की रंगभाषा

(घ) प्रसाद के नाटकों में गीत और संगीत (7,7)